Ht – खोये हुए सिक्के का दृष्टांत लूका १५:८-१० | 1

– Save This Page as a PDF–

खोये हुए सिक्के का दृष्टांत

लूका १५:८-१०

खुदाई: यह दृष्टांत और खोई हुई भेड़ का दृष्टांत एक ही कैसे है? वे कैसे अलग हैं? आप उस महिला की कल्पना कैसे करते हैं जो अपना खोया हुआ सिक्का ढूंढ रही है? इस महिला के प्रति फरीसियों का रवैया क्या होगा? बाइबल क्या कहती है?

चिंतन: यह दृष्टांत आपको ईश्वर के प्रति अपने मूल्य के बारे में कैसा महसूस कराता है? यह दृष्टांत आपके जानने वाले अविश्वासियों के साथ आपके संबंधों को कैसे प्रभावित कर सकता है?

खोए हुए सिक्के के दृष्टांत का एक मुख्य बिंदु यह है कि जो चीज़ ईश्वर के दिल को सबसे गहराई से छूती है, वह उन लोगों का उद्धार है जिनका वह पीछा करता है और पश्चाताप की ओर लाता है।

यदि फरीसी खोई हुई भेड़ के बारे में मसीहा के दृष्टांत को शीघ्रता से दोहराना चाहते थे, तो उन्होंने जल्द ही पर्याप्त प्रतिक्रिया नहीं दी। जैसे ही येशुआ ने अपना पिछला दृष्टांत समाप्त किया, वह एक खोए हुए सिक्के के बारे में एक और दृष्टांत पर आ गया। उसने कहा: या मान लीजिए कि एक महिला के पास दस चाँदी के सिक्के हैं और एक खो देती है। चाँदी के सिक्के दीनार के थे। एक दीनार एक अच्छे दिन की मज़दूरी के बराबर होता है, यह इस बात का उदाहरण है कि ज़मींदार अपने मजदूरों को अंगूर के बगीचे में मजदूरों के दृष्टांत में कितना भुगतान करता था। क्या वह दीया नहीं जलाती, घर में झाड़ू नहीं लगाती और जब तक वह मिल न जाए तब तक उसे ध्यान से नहीं खोजती (मत्ती २०:२; लूका १५:८)?

इसमें कोई संदेह नहीं कि समूह की महिलाएँ प्रत्याशा में आगे झुक गईं। जब एक यहूदी लड़की की बैट मिट्ज्वा के तुरंत बाद शादी हो गई, तो उसने दस चांदी के सिक्कों का एक हेडबैंड पहनना शुरू कर दिया, यह दिखाने के लिए कि वह अब एक पत्नी है। यह हमारी आधुनिक शादी की अंगूठी का यहूदी संस्करण था, और उन सिक्कों में से एक को खोना उसके लिए एक आपदा माना जाएगा। मसीहा ने एक महिला के बारे में बताया जिसके सिर पर एक बैंड बंधा हुआ था और एक सिक्का खो गया था, और इस पर विचार करने के लिए कहा इस स्थिति में ऐसी महिला कैसे प्रतिक्रिया देगी। क्या वह आराम से बैठेगी और उम्मीद करेगी कि यह अपने आप सामने आ जाएगा? हरगिज नहीं।

Ht – खोये हुए सिक्के का दृष्टांत लूका १५:८-१० | 2

उसने संपूर्ण खोज एवं बचाव अभियान शुरू किया। नुकसान के कारण परेशान होकर, वह अपना दीपक जलाती है और मंद रोशनी वाले घर के फर्श को अच्छी तरह से साफ करती है, और उसे तब तक उल्टा कर देती है जब तक कि चमकता हुआ सिक्का नहीं मिल जाता। रुआच हाकोडेश, जिसे इस दृष्टांत में महिला के रूप में दर्शाया गया है, खोई हुई आत्मा के दिल के हर कोने में एक मेहनती और गहन खोज करता है। पापी परमेश्वर की दृष्टि में इतने अनमोल हैं कि उन्हें पुनः प्राप्त करने के लिए कोई भी प्रयास बहुत बड़ा नहीं है। परिणाम प्राप्त होने तक ईमानदारी, संपूर्णता और दृढ़ता थी।

मेरी पत्नी शायद ही कभी अपनी शादी की अंगूठी उतारती है, लेकिन एक बार उसने ऐसा किया और हमारे युवा बेटे के हाथ वह लग गई। फर्नीचर, गलीचा, उपकरण या जार का कोई भी टुकड़ा तब तक नहीं छोड़ा गया जब तक कि वह सुरक्षित रूप से अपनी जगह पर वापस न आ जाए। जैसे ही घबराहट वापस उसकी उंगली पर आई, तो घबराहट मीठी राहत में बदल गई।



फिर वह अपने पड़ोसियों के घरों में जाती है और
अपने खोए हुए सिक्के के वापस मिलने की अद्भुत खबर सुनाती है, और उन्हें अपने साथ खुशी मनाने के लिए आमंत्रित करती है। और जब उसे यह मिल गया, तो उसकी खुशी पिछले दृष्टान्त में चरवाहे की तरह ही महान थी। चरवाहे की तरह, वह अपने दोस्तों और पड़ोसियों को एक साथ बुलाती है और कहती है, “मेरे साथ आनन्द करो क्योंकि मुझे अपना खोया हुआ सिक्का मिल गया है” (लूका १५:९)। वह अपने दिल में खुशी और खुशी को छिपा नहीं सकी। यह दृष्टांत मूल रूप से एक ही बात बताता है, लेकिन एक अलग रूपक के साथ। यह खोई हुई आत्मा की हानि, खोज और पुनर्प्राप्ति को परिणामी खुशी के साथ चित्रित करता है।

फिर से येशुआ ने एक भावुक घोषणा के साथ दृष्टांत के नैतिक को समाप्त किया: उसी तरह, मैं तुमसे कहता हूं, एक पश्चाताप करने वाले पापी पर ईश्वर के स्वर्गदूतों की उपस्थिति में आनन्द होता है ”(लूका १५:१०)। ध्यान दें कि आनन्द स्वर्गदूतों की उपस्थिति में किया जाता है। यह नहीं कहता कि स्वर्गदूत आनंदित थे। तो फिर आनंद कौन मना रहा है? यह त्रित्व ईश्वर का आनंद है, जो पवित्र स्वर्गदूतों की उपस्थिति में विद्यमान है। बेशक, स्वर्गदूत उत्सव में हिस्सा लेते हैं, लेकिन दोनों दृष्टांतों में जोर ईश्वर की खुशी पर है।

Ht – खोये हुए सिक्के का दृष्टांत लूका १५:८-१० | 3

फरीसियों ने सिखाया कि जब पापी मरते हैं तो परमेश्वर की उपस्थिति में खुशी होती है। यदि वे पवित्रशास्त्र के सावधान विद्यार्थी होते, तो फरीसियों को एडोनाई के चरित्र के इस पहलू की बेहतर समझ होती। तानाख ने उन्हें करुणा के ईश्वर के रूप में प्रकट किया। यहेजकेल ३३:११ कहता है, “मेरे जीवन की सौगंध,” एडोनाई एलोहीम शपथ खाता है, “मैं दुष्टों की मृत्यु से कोई आनंद नहीं लेता।” यशायाह ६२:५ कहता है: जैसे दूल्हा दुल्हन के कारण आनन्दित होता है, वैसे ही तेरा परमेश्वर भी तेरे कारण आनन्दित होगा। यह बिल्कुल इन दो दृष्टान्तों की छवि है। यह असीम आनंद, शुद्ध प्रसन्नता और अनियंत्रित उत्सव है। बात मसीहा के श्रोताओं के लिए स्पष्ट रही होगी और हमारे लिए भी स्पष्ट होनी चाहिए: जिन पापियों के साथ वह संगति कर रहा था वे एडोनाई के लिए बेहद मूल्यवान थे। क्या आज हमारे लिए भी यही सच नहीं होना चाहिए?